इतिहासकार प्रो. रामशरण शर्मा व पंधे को विवि में श्रध्दांजलि

विख्यात इतिहासकार व चिंतक प्रो. रामशरण शर्मा और ट्रेड यूनियनों के गुरू माने जाने वाले कॉमरेड एम.के. पंधे को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में विनम्र श्रध्दांजलि अर्पित की गयी।

विश्वविद्यालय के गांधी हिल पर वर्धा संवाद के अंतर्गत आयोजित स्मृति सभा की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति विभूति नारायण राय ने की। इस अवसर पर सुप्रसिध्द समीक्षक तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. निर्मला जैन, भारतीय प्रेस परिषद के पूर्व सदस्य शितला सिंह, विवि के प्रतिकुलपति प्रो. ए. अरविंदाक्षण, अतिथि लेखक सुरेश शर्मा, प्रो. रामशरण जोशी तथा मीडियाविद प्रदीप माथुर आदि वक्ताओं ने दोनों चिंतकों को भावभिनि श्रध्दांजलि अर्पित की।

रामशरण शर्मा के बारे में अपनी भावनाएं प्रकट करते हुए प्रो. निर्मला जैन ने कहा की उनके साथ हमारे पारिवारिक संबंध थे। उनका स्वभाव बहुतही सादगी भरा था और सहह्रदयता की वे एक मिसाल थे। उनके पास ज्ञान का भंडार था और किसी भी विषय पर अपनी बेबाक राय रखने के लिए वे परिचित थे। वे कठोर से कठोर बातें भी बडी हिम्मत के साथ कहते और लिखते थे। इतिहास पर उनकी पक्की पकड तो थी ही सबाल्टन स्टडीज के भी गहरे अध्येता थे। उनके जाने से हमने न केवल इतिहासकार खो दिया है बल्कि एक जुझारू और प्रतिबध्द लेखक भी काल के परदे के पीछे चला गया है। शितला सिंह ने रामविलास शर्मा के बारे में कहा कि शर्मा जी एक ऐसे शख्स थे जिनकी भारत के

बहुसंख्यक समाज पर गहरी नजर थी। उनका इतिहास लेखन उच्च कोटि का था और वे तथ्य व सत्य के माध्यम से अपना लेखन समृध्द करते थे।

अध्यक्षीय वक्तव्य में कुलपति विभूति नारायण राय ने कहा कि रामशरण शर्मा जी को दो बार मिलने का अवसर मिला था। वे अपनी विद्वत्तापूर्ण लेखन शैली से अकादमिक क्षेत्र में लीजेण्ड बन गये थे। वे समृध्द लेखन परंपरा के धनी रहे है। प्रो. रामशरण जोशी ने शर्मा जी के इतिहास लेखन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने भारतीय इतिहास लेखन को एक नई दिशा प्रदान की और प्राचीन भारतीय इतिहास निधि में उन्होंने एक प्रतिध्द आयाम स्थापित किया। उन्होंने इतिहास लेखन को अंतरराष्ट्रीय उंचाई पर विराजित किया। अन्य वक्ताओं ने भी रामशरण शर्मा और कॉमरेड पंधे को श्रध्दांजलि अर्पित की तथा इस अवसर पर दो मिनट का मौन रखा गया। सभा का संचालन साहित्य विद्यापीठ के सहायक प्रोफेसर और वर्धा संवाद के सदस्य डॉ. बीर पाल सिंह यादव ने किया। इस अवसर पर अध्यापक, कर्मी एवं छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बी. एस. मिरगे, जनसंपर्क अधिकारी

पोष्ट - मानस मंदिर, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
Post- Manas Mandir, Gandhi Hills, Wardha-442001 (Maharashtra), INDIA
Ph./Fax: (07152) 252651 ई-मेल/**E-mail: bsmirgae@gmail.com**, वेबसाईट/**Website:** www.hindivishwa.org